आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून उत्तराखण्ड)

बुधवार 07.05.2025 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू–कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर में नौ आतंकी ठिकानों को पूरी तरह नष्ट किया।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और कैबिनेट को ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने सशस्त्र बलों की सराहना की।
- देहरादून में हवाई हमले जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल की गई।
- आस्था पथ और मंदिर प्रांगण से अब होंगे बाबा केदारनाथ के दर्शन। केदारपुरी में लगाए गए 10 एलसीडी टीवी।

ऑपरेशन सिंदूर

भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा कल रात चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर, 25 मिनट का था और इस जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू–कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया गया। नई दिल्ली में भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और विदेश मंत्रालय की संयुक्त प्रेस वार्ता में भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और भारतीय वायु सेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया कि पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन कल रात एक बजकर पांच मिनट से एक बजकर तीस मिनट तक चलाया गया। प्रेस वार्ता में हमले में नष्ट किए गए आतंकवादी स्थल और सैन्य तथा नागरिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाए बिना सफलतापूर्वक चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की विस्तृत जानकारी दी गई। कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल भविष्य में पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

कर्नल सोफिया कुरैशी ने ऑपरेशन सिंदूर का विवरण देते हुए पाकिस्तान अधिकृत जम्मू कश्मीर में स्थित आतंकी ठिकानों के नाम बताए हैं, जहां भारतीय सेना ने कार्रवाई की है।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले की जांच से पाकिस्तान के आतंकियों से संबंधों का पर्दाफाश हुआ है।

राजनीतिक दल प्रतिक्रिया

सभी राजनीतिक दलों ने भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा की है। गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम में देश के निर्दोष भाइयों की निर्मम हत्या का भारत का जवाब है। श्री शाह ने कहा कि भारत आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए दृढ़ संकल्प है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी सशस्त्र सेनाओं की सराहना की है। विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने कहा कि विश्व को आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करना चाहिए। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी बदले की कार्रवाई की सराहना की है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्हें सशस्त्र सेनाओं पर गर्व है।

प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और कैबिनेट को ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी। श्री मोदी, पूरी रात ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी लेते रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय सेना ने सफलतापूर्वक इस कार्रवाई को अंजाम दिया है। प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए सशस्त्र बलों की सराहना की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज दोपहर राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री प्रतिक्रिया

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आतंकवाद पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई कमर तोड़ कार्रवाई से हमारे वीर जवानों ने एक बार फिर पूरे देश का मस्तक ऊंचा कर दिया है। उन्होंने कहा कि आज की कार्रवाई इस बात का स्पष्ट संदेश है कि भारत पर बुरी नज़र डालने वाले आतंकी संगठनों को हम जड़ से उखाड़ फेंकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अब हमारी नीति स्पष्ट है कि आतंक को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और हर हमले का मुँहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

दून पुलिस अलर्ट

ऑपरेशन सिंदूर के बाद देहरादून पुलिस हाई अलर्ट पर है। सुबह से ही जिले के नगर और देहात क्षेत्र में संदिग्धों की तलाश के लिए वृहद स्तर पर सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस की अलग–अलग टीमों की ओर से अर्धसैनिक बलों के साथ बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया जा रहा है। इस दौरान पुलिस की ओर से लगातार सभी थाना क्षेत्रों में निवासरत बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन की कार्रवाई करते हुए संदिग्ध व्यक्तियों को पूछताछ के लिए थाने लाया जा रहा है।

मॉक ड्रिल

केन्द्रीय गृह मंत्रालय और राज्य सरकार के निर्देशों के तहत देहरादून में हवाई हमले जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए आज शाम मॉक ड्रिल की गई। इस दौरान जिले में स्थापित जिला आपदा परिचालन केंद्र में शहर में हवाई हमले की सूचना प्राप्त हुई। जिस पर जिलाधिकारी सविन बंसल ने घटना पर शहरवासियों को सायरन के माध्यम से अलर्ट करवाते हुए, आईआरएस सिस्टम को सक्रिय किया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को तत्काल अपने–अपने कार्य क्षेत्र पर उपस्थित होने और राहत व बचाव कार्य करने के दिशा–निर्देश दिए।

देहरादून जिले में पांच स्थानों– धारा पुलिस चौकी, ब्लाईंड स्कूल राजपुर रोड़, लक्खीबाग पुलिस स्टेशन, जिलाधिकारी परिसर क्लैक्ट्रेट, आईएसबीटी और आराघर पुलिस चौकी में सायरन बजाकर लोगों का सतर्क किया गया। वहीं आईएसबीटी के पास बमबारी होने की सूचना दी गई। इस दौरान मेडिकल टीम, एसडीआरएफ और अन्य टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य किया।

आस्था पथ दर्शन

केदारनाथ धामयात्रा को भव्य और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन ने एक अभिनव पहल की है। अब श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शनों के साथ ही उनकी दिव्यता और महिमा का साक्षात अनुभव मंदिर प्रांगण और आस्था पथ पर भी कर सकेंगे। जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि आस्था पथ पर 50 इंच के 10 एलसीडी टीवी लगाए गए हैं। वहीं मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से एक विशाल एलसीडी टीवी लगाया गया है, जिस पर बाबा केदार के लाइव दर्शन के साथ ही भगवान शिव से जुड़ी कथाएं, उनकी महिमा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी प्रसारित की जाएंगी। यह पहल श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक रूप से जोड़ने का एक अनूठा प्रयास है। इसके अलावा इन टीवी स्क्रीनों के माध्यम से स्वास्थ्य और यात्रा मार्गदर्शिका से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाएं भी समय–समय पर प्रसारित की जाएंगी, ताकि यात्रा के दौरान श्रद्धालु सुरक्षित और जागरूक रहें। सोनप्रयाग में भी एक बड़ी स्क्रीन लगाने की तैयारी अंतिम चरण में है, जिससे यात्रा की शुरुआत करने वाले श्रद्धालुओं को भी बाबा केदार के दर्शन और आवश्यक जानकारी मिल सकेगी।

ज्ञान पोस्ट योजना

डाक विभाग द्वारा शुरू की गई ज्ञान पोस्ट योजना छात्र–छात्राओं, पाठकों और पुस्तक प्रेमियों के लिए लाभकारी साबित होने वाली है। पौड़ी जिले में यह सुविधा पौड़ी, लैंसडौन, कोटद्वार, श्रीनगर, लक्ष्मणझूला, धुमाकोट और थलीसैंण सहित 51 उप डाकघरों में उपलब्ध होगी। इस योजना के माध्यम से 300 ग्राम से लेकर 5 किलोग्राम तक वजन की पुस्तकें सस्ती रियायती दरों पर पाठकों तक भेजी जा सकेंगी। 5 किलोग्राम वजन तक की पुस्तकें मात्र सौ रुपये में और 300 ग्राम वजन वाली पुस्तक सिर्फ 24 रुपये में प्राप्त कर्ता तक भेजी जा सकेंगी। छात्र– छात्राओं को इस योजना से खासा लाभ होगा। पौड़ी के डाक अधीक्षक दीपक शर्मा ने बताया कि भारतीय डाक विभाग द्वारा विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए यह योजना शुरू की है। इस योजना से विद्यार्थी कम से कम 24 रुपये और अधिक से अधिक 100 रुपये में अपनी पुस्तकें मंगा सकते हैं और भेज भी सकते हैं।